

---

ga Nge vahasi katham

गङ्गे वहसि कथम्

Document Information

---

Text title : gange vahasi katham

File name : gangevahasyanisham.itx

Category : misc, sanskritgeet, devii, nadI

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : Original Asamese Bhupen Hazarika, Sanskrit Ranjan Bezbaruah

Transliterated by : NA

Proofread by : NA

Description-comments : Ganga Behti Ho Kyun(Hindi)/Bistirno Dupare(Bangla)/Bistirno  
Parore(Assamese)

Latest update : October 26, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

October 26, 2019

*sanskritdocuments.org*

---

गङ्गे वहसि कथम्



विस्तीर्णप्रतीरे असङ्घनकृते  
हाहाःकारेऽपि, निःशब्दन् निःस्पृहम् -  
लोहित्य कथम् लोहित्य वहस्यनिशम्?  
(भो गङ्गे कथम् नु गङ्गे वहस्यनिशम् ?)  
नैतिकताम् प्रस्खलिताम्  
मानवताम् च अधोगताम् -  
प्रेक्ष्यापि निर्लज्जम्  
वहसे कथम् ?  
ज्ञानहीने अक्षररहिते,  
लक्ष्यमाणेऽपि निरञ्जने  
मौनञ्च कुतस्तन्- नेतृहीने ?  
सहस्रवर्षैः ऐतिह्योदीरितैः च  
मन्त्रैः पुनः पङ्गुमानवम्  
(मन्त्रैः पुनः नव्यभारतम्) -  
सुसाङ्गामिकं, सर्वाग्रगमं  
करोषि न किमर्थम् ?  
व्यक्तौ ह्यदि स्याद् व्यक्तिवादः  
समाजो भूयः व्यक्तितत्त्वहीनः -  
कस्मात् न प्रध्वंससे स्रस्तजनान् ? (स्वस्त त्रस्त?)  
त्वं हि यदि ब्रह्मणः पुत्रः -  
(त्वं हि यदि जह्नुनन्दिनी)  
तत् पितृत्वम् किल नाममात्रम्,  
नो चेत् न प्राणेषु  
प्रेरणा कथम् ?  
उन्मत्तधराम् कुरुक्षेत्ररूपाम्

आलिङ्ग्य हि घोरं न निद्रायमाणम् -  
भीष्मसमम् अजस्रवीरम्  
(भीष्मसमम् भारतप्रसृतम्)  
जागरयसि कथम्?

— मूल रचना डॉ भूपेन हजारिका  
संस्कृत रूपान्तर रंजन बेजबरुवा

---

—  
*ga Nge vahasi katham*

pdf was typeset on October 26, 2019

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

